

देश में आर्थिक सुधारों पर जोर देने की जरूरत : डॉ. सिंह

पूर्व प्रधानमंत्री को मोदी-मोदी के नारों का सामना करना पड़ा

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने देश में आर्थिक मंदी का जिक्र करते हुए कहा कि आर्थिक सुधारों को जारी रखा जाना चाहिए। वेशनिवार को अजमेर रोड स्थित जेके लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय में जेकेएलयू लॉरेंट अवार्ड 2019 को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह विविधताओं का देश है, जिसमें बढ़ती जनसंख्या, जातिवाद जैसी कई समस्याएं हैं। इनको सुधारना होगा। तभी देश की तरक्की हो सकती है। हमारे देश में लोकतंत्र है और इसमें अभी भी सुधार की गुंजाइश है। इस देश को बेहतर बनाने के लिए निरंतर सुधार कार्यक्रम चलाने चाहिए। इससे पहले उन्हें मोदी-मोदी के नारों का सामना करना पड़ा। जब वह सम्बोधन के लिए मंच पर आए तो वहां मौजूद छात्रों ने मोदी-मोदी के नारे लगाने शुरू कर दिए। बाद में छात्रों को समझाकर शांत किया गया। इस मौके पर डॉ. सिंह को लॉरेंट अवार्ड देकर सम्मानित किया गया।

मनमोहन को दिया जेकेएलयू लॉरेंट सम्मान-2019



भारतीय संविधान लोकतंत्र की शक्ति

डॉ. सिंह ने स्ट्रेंथनिंग रूट्स ऑफ डेमोक्रेसी इन इंडिया विषय पर व्याख्यान देते हुए भारतीय संविधान की विशिष्टताएं बताते हुए कहा कि भारतीय संविधान लोकतंत्र की शक्ति है और यह हमारी खुशकिस्मती है कि हम दुनिया के सबसे बेहतरीन लोकतंत्र में रहते हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया का सबसे विस्तृत भारतीय संविधान सभी लोगों के अधिकारों की रक्षा करता है। वहीं बीपीएल परिवारों के जीवन स्तर में सुधार के लिए हमें आगे आना होगा। इस मौके पर चांसलर भरत हरि सिंघानिया, कुलपति प्रो. आरएल रेना, कांग्रेस के नेता सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।